	January 1971	April 1971	Percentage change (April 1971 over) (January 1971
Aluminium utensils	148.4	148 4	No change
Pottery goods	138.4	138.4	No change
Toilet requisites	144.5	144 6	+0.1
Soap	144.7	144 7	No change
Lamps & lanterns	160.5	160 5	No change
Matches	114.1	114.1	No change

नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकों में अनुवाद तथा मुद्रण संबंधी गलतियां

631. श्री विभूति मिश्र : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या नेशनल बुक ट्रस्ट ने अनेकों महत्वपूर्ण पुस्तकों का अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद कराया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या उनके मंत्रालय को इस बात की जानकारी है कि इन अनुदित पुस्तकों में गलतियां है ;

(ग) क्या लियो हुबरमैन की "मैन्ज वर्ल्डली गुड्ज" (मनुष्य की भौतिक सम्पदाएं) नामक पुस्तक में भाषा, पारिभाषिक शब्दावली तथा मुद्रण सम्बन्धी अनेकों गलतियां है ;

(घ) यदि हां, तो इन पुस्तकों के अनुवाद, सम्पादन तथा प्रकाशन के लिये जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गयी ; और

(ङ) ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) से (ङ). नेशनल बुक ट्रस्ट ने अनेक प्रमुख अंग्रेजी पुस्तकों का हिन्दी में अनुवाद किया है ।

इन अनुदित संस्करणों में गलतियों की भरमार के सम्बन्ध में न तो नेशनल बुक ट्रस्ट को और न ही इस मंत्रालय को कोई शिकायत प्राप्त हुई है ।

सरकार को इस बात की जानकारी नहीं है कि लियो हुबरमैन की 'मैन्स वर्ल्डली गुड्स" (मनुष्य की भौतिक सम्पदाएं) नामक पुस्तक के अनुदित संस्करण में, जिसे नेशनल बुक ट्रस्ट ने 1965 में प्रकाशित किया था । अनेक-गलतियां हैं । इसके विपरीत दो सुप्रसिद्ध हिन्दी विद्वानों ने पाडुलिपियों की समीक्षा करते समय बहुत प्रशंसा की है ।

नेशनल बुक ट्रस्ट अनुवाद और प्रकाशन में परिशुद्धता सुनिश्चित करने का बहुत ध्यान रखता है ।

सड़क कर आदि जमा करने में कठिनाई

632. श्री विभूति मिश्र : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जनपथ नई दिल्ली स्थित दिल्ली प्रशासन के परिवहन अधिकारी के कार्यालय से ड्राइविंग लाइसेंस आदि प्राप्त करने और सड़क कर जमा कराने में जनता को कठिनाई हो रही ; है

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त कार्यालय में कार्य करने वाले कर्मचारियों से मिले हुये अनेक बिचौलिये उस कार्यालय के आसपास घूमते रहते हैं और उनको कुछ अतिरिक्त धन देने से काम बड़ी आसानी से हो जाता है ; और